B.A.-I (CBCS Pattern) Semester - II

BA12A2-3 - Compulsory Pali

P. Pages : 5 **GUG/S/23/10027**

* 0 5 4 5 *

Time : Three Hours Max. Marks : 80

सुचना :- 1. सर्व प्रश्न अनिवार्य आहेत.
सभी प्रश्न अनिवार्य है।
2. स्वीकृत माध्यमात उत्तरे लिहा.
स्वीकृत माध्यम में उत्तर लिखिए।

1. अ) ससंदर्भ भाषांतर करा. **10**
ससंदर्भ अनुवाद कीजिए।

अथेको मिगलुद्दको अरञ्ञे चरन्तो पानीयतित्थे बोधिसत्तस्स पद्वलज्जं दिस्वा लोहनिगळसदिसं बध्दमयं पास ओट्टेडत्वा अगमासि। बोधिसत्तो पानीयं आगतो पठम यामे येव पासे बज्झित्वा बध्दरावं रवि। तस्स तेन सद्देन रुक्खग्गतो सतपतो उदकतो च कच्छपो आगन्त्वा' किं नु खो कातब्बो? 'न्ति मन्तयिंसु। अथ सतपतो कच्छपं आमन्तेत्वा 'सम्म। तव दन्ता अत्थि, त्वं इमं पासं छिन्द, अहं, गन्त्वा यथा सो नागच्छति तथा करिस्सामि। एवं अहोहि द्वीहि पि कतपरक्कयेनं सहायो नो जीवितं लभिस्सती' ति इममत्थं पकासेन्तो पठमं गाथमाहं -

किंवा / अथवा

अथ खो राजा पसेनदि कोसलो येन भगवा तेनुपसङ्कमि उपसङकमित्वा भगवन्तं अभिवादेत्वा एकमन्तं निसीदि। अथ खो अञ्ञतरो पुरिसो येन राजा पसेनदि कोसलो तेनुपसङ्कमि, उपसङकमित्वा रञ्ञो पसेनदिस्स कोसलस्सं उपकण्णके आरोचेसि - 'मल्लिका, देव, देवी धीतरं विजाता' ति। एवं वुते, राजा पसेनदि कोसलो अनत्तमानो अहोसि। अथ खो भगवा राजानं पसेनदिं कोसलं अनत्तमनत्तं विदित्वा तायं वेलायं इमा गाथायो अभासि।

ब) नच्चं जातकातील 'बोध' तुमच्या शब्दात लिहा. **6**
नच्चं जातक के 'बोध' को तुम्हारे शब्दों में लिखिए।

किंवा / अथवा

लोकसुत्तांचा सारांश लिहा.
लोकसुत्त का सारांश लिखिए।

2. अ) ससंदर्भ भाषांतर करा. **10**
ससंदर्भ अनुवाद कीजिए।

1) नीचे कुलम्हि जातोहं, दलिद्दो अप्पभोजनो।
हीनकम्मं ममं आसि, अहोसिं पुप्फछड्डको॥

2) जिमुच्छितो मनुस्सानं, परिभूतो च वम्भितो।
नीचं मनं करित्वान, वन्दिस्स बहुकं जनं॥

3) अथद्दसासि सम्बुध्द, भिक्खुसङ्घपुरक्खतं।
पविसन्तं महावीरं, मगधानं पुरुत्तम॥

4) निक्खिपित्वान व्याभङ्गि, वन्दितुं उपसङ्कमि।
ममेव अनुकम्पाय, अट्ठासि पुरिसुत्तमो॥

किंवा / अथवा

1) अरिट्ठसव्हये नगरे सिवि नामासि खत्तियो।
निसज्ज पासादवरे एवं चिन्तेसहं तदा॥

2) यं किञ्चिं मानुसं दानं अदिन्नं मे न विज्जति।
योपि याचेय्य मं चक्खुं ददेय्य अविकम्पितो॥

3) मम सङ्कप्पमञ्ञाय सक्को देवानमिस्सरो।
निसिन्नो देवपरिसाय इदं वचनमब्रवि॥

4) निसज्ज पासादवरे सिविराजा, महिध्दिको।
चिन्तेन्तो विविधं दानं अदेय्यं सो न पस्सतिं॥

ब) सीलवत्थेराने शीलांचे कसे वर्णित केले ते लिहा. **6**
सीलवत्थेरने शील का कैसे वर्णन किया वह लिखिए।

किंवा / अथवा

संङ्ख चरियं चा सारांश लिहा.
संङ्ख चरिय का सारांश लिखिए।

3. अ) ससंदर्भ भाषांतर करा. **10**
ससंदर्भ अनुवाद कीजिए।

'कथं, भन्ते, उपग्गण्हनलक्खणा सति ' ति? सति, महाराज, उप्पज्जमाना हिताहितानं धम्मानं गतियो समन्वेति - 'इमे धम्मा हिता, इमे धम्मा अहिता, इमे धम्मा उपकारा, इमे धम्मा अनुपकारा' ति, ततो योगावचरो अहिते'' धम्मे अपनुदेति, हिते, धम्मे उपग्गण्हति, अनुपकारेधम्मे अपनुदेति उपकारे धम्मे उपग्गण्हाति। एवं खो, महाराज, उपगण्हनलक्खना' ति। 'ओपम्पं करोही'' ति। यथा, महाराज, रञ्ञो चक्कवत्तिस्स परिणायकरतनं रञ्ञो हिताहिते जानाति - इमे रञ्ञो हिता, इमे अहिता, इमे उपकारा, इमे अनुपकारा' ति, ततो अहिते अपनुदेति, हिते उपग्गण्हाति, अनुपकारे अपनुदेति उपकारे उपग्गण्हाति।

किंवा / अथवा

यं पन वुत्तं को चस्स सङ्किलेसो? किं वोदानं? ति तत्र वदाम - खण्डादिभावो सीलस्स सङ्किलेसो अखण्डादिभावो वोदानं। सो पन खण्डादिभावो लाभथसादिहेतुकेन भेदेन च, सत्ताविध मेथुन संयोगेन च सङ्गहितो तथा हि यस्स सत्तसु आपत्तिक्खन्धेसु आदिम्हि वा अन्ते वा सिक्खापदं भिन्न होति, तस्स सीलं परियन्ते छिन्नसारको विय खण्ड नाम होति। यस्स पन वेमज्झे भिन्नं, तस्स मज्झे छिद्दसाटको विय छिद्दं नाम होति। यस्स परिपाठिया द्वे तीणि भिन्नानि, तस्स पिट्ठिया वा कुच्छिया वा उट्ठितेन विसभागवण्णेन काळरत्तादीनं अञ्ञातर सरीखण्णा गावो विय सबलं नाम होति।

ब) 'पञ्ञालक्खण' सारांश लिहा. **6**
'पञ्ञालक्खण' सारांश लिखिए।

किंवा / अथवा

विसुद्धीमग्गो ग्रंथाची माहिती सांगा.
विसुद्धीमग्गो ग्रंथ की जानकारी बतलाईए।

4. अ) विभक्ती रुपे लिहा **कोणतेही एक.** **4**
विभक्ती रुप लिखिए **कोई भी एक।**

अट्ठि, रत्ति, भिक्खु

ब) वर्तमान काळातील धातुचे रुपे लिहा **कोणतेही चार.** **4**
वर्तमानकाल के धातु के रुप लिखिए। **कोई भी चार।**

गम, पठ, नम, कर, पच, ठा

क) स्वीकृत माध्यमात भाषांतर करा. **4**
स्वीकृत माध्यम में अनुवाद कीजिए।

1) लोके सुखं नत्थि।

2) सो नरो याचको न भवति।

3) अंगुलीसु व्याधि नत्थि।

4) सा बुध्दं न सरति।

ड) पालित भाषांतर करा. **4**
पालि में अनुवाद कीजिए।

1) संन्यासी गावात जातो.
संन्यासी गाव में जाता है।

2) आई काम करते.
माता काम करती है।

3) तिचे नाव गोपा आहे.
उसका नाम गोपा है।

4) कवि रात्री पुस्तक वाचतो.
कवि रात में किताब पढता है।

5. अ) टिपणे लिहा **कोणतेही दोन.** **6**
टिप्पणियाँ लिखिए **कोई भी दो।**

1) जातक 2) संयुत्तनिकाय

3) थेरगाथा 4) चरियपिटक

ब) योग्य पर्याय लिहा. **10**
योग्य पर्याय लिखिए।

1) एकूण जातककथा किती.
कुल जातक कथाएँ कितनी।
अ) 547 ब) 423
क) 277 ड) 308

2) लोकसुत्तं कुठे येते.
लोकसुत्तं कहाँ आता है।
अ) संयुत्तनिकाय ब) थेरगाथा
क) धम्मपद ड) अनुपिटक

3) हा अनुपिटकात येणारा ग्रंथ.
यह अनुपिटक में आनेवाला ग्रंथ।
अ) उदान ब) थेरगाथा
क) विसुध्दीमग्गो ड) जातक

4) संयुत्तनिकाय इथे येतो.
संयुत्तनिकाय यहाँ आता है।
अ) सुत्तपिटक ब) सुत्तनिपात
क) तिपिटक ड) बुध्दवंस

5) थेरगाथा ग्रंथ कुठे येतो.
थेरगाथा ग्रंथ कहाँ आता है।
अ) दीघनिकाय ब) खुद्दकनिकाय
क) मज्झिमनिकाय ड) उदान

6) पाच निकायांचा संग्रह म्हणजे.
पाच निकाय का संग्रह याने
अ) सुत्तनिपात ब) सुत्तपिटक
क) अनुपिटक ड) चरियपिटक

7) चरियपिटक ग्रंथ कुठे येतो.
चरियपिटक ग्रंथ कहाँ आता है।
अ) खुद्दकनिकाय ब) मज्झिमनिकाय
क) दीघनिकाय ड) बुध्दवंस

8) मिलिन्द कुठला राजा होता.
मिलिन्द कहाँ का राजा था।
अ) मिथिला ब) सागल
क) कपिलवस्तू ड) कंबोज

9) पालित किती मुळाक्षरे आहेत.
पालि में कुल मुळाक्षर कितने हैं।
अ) 40 ब) 41
क) 43 ड) 45

10) पालित कारक किती आहेत.
पालि में कारक कितने हैं।
अ) 07 ब) 08
क) 09 ड) 10

****